

# प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के खिलाफ साजिशें....



लोकतंत्र ने हर व्यक्ति को विरोध करने और अपने विचार खुलकर व्यक्त करने का अधिकार दिया है, इरादा लोकतंत्र को जीवंत और गतिशील बनाना है ताकि समाज और देश के प्रत्येक वर्ग को लाभ हो।

हालाँकि कुछ राजनीतिक दलों और उनके संगठनों के अलग-अलग एजेंडा हैं और इस लोकतांत्रिक साधन का उपयोग स्वार्थी लाभ के लिए करते हैं जिसे हमारे समाज और देश के भलाई के लिए करना चाहिये। उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंचों पर और सामाजिक रूप से हमारे देश के लोगों के सामने आने वाली कठिनाइयों के बारे में कम से कम चिंता है। उनका मकसद समझना और भी मुश्किल है जब माननीय सुप्रीम कोर्ट बिना किसी पूर्वाग्रह के और सही इरादे से मामले को सुलझाने में मदद कर रहा है। क्या ऐसे संगठन हमारी न्यायिक प्रणाली में विश्वास नहीं करते हैं? क्या वे न्यायिक व्यवस्था से ऊपर हैं, जो हमारे संविधान का एक हिस्सा है ?

पहले पीएम मोदी और अब सीएम योगी की लोकप्रियता के डर ने कई विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों को इस हद तक झकझोर दिया कि वे उन कानूनों का विरोध कर रहे हैं जो अनिवार्य रूप से लगभग 14 करोड़ किसानों के उत्थान के लिए आवश्यक हैं। वे करोड़ों छात्रों के लिए लाभकारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का भी विरोध कर रहे हैं जो हमारी आने वाली पीढ़ियों को समग्र विकास के हर पहलू में मजबूत बनाने वाली है।

विरोध करने में डर यह है कि अगर कानून या नीतियों को अगर शत प्रतिशत सही से लागू किया गया तो 2024 के चुनाव में पीएम मोदी को 2019 से कहीं बड़ी जीत के साथ फायदा होगा। इसलिए समाज के कल्याण ने एक बैकसीट ले ली है और सत्ता, तुष्टिकरण, शोषण, भ्रष्टाचार को कई लोग प्राथमिकता दे रहे हैं। स्पष्ट रूप से मोदी और योगी सरकार को अस्थिर करने की प्राथमिकताएं हैं।

मोदी और योगी इनके एजेंडे में फिट क्यों नहीं हैं ?

वे दोनों नेताओं को “हिंदुत्व आइकन” के रूप में देखते हैं। जनता के बीच लोकप्रियता हर दिन बढ़ रही है इसलिए भारत में और उसके आसपास निहित स्वार्थों को संतुष्ट करने और उनकी मदद करने के लिए वर्षों से सनातन धर्म को नीचा दिखाने और खत्म करने का एजेंडा चल रहा है। विकास की राजनीति छोड़कर अब कुछ नेताओं के लिए अखंडता के त्याग और संवैधानिक रूप से तैयार नीतियों और कानूनों

को कमजोर करने की कीमत पर वोट हासिल करने के लिए स्वार्थ और तुष्टिकरण की राजनीति बन गई है।

हर विपक्षी नेता किसान कानूनों के लाभों को जानता है और यह हमारे मेहनती, निस्वार्थ किसानों की संभावनाओं को कैसे बदलेगा और हमारी अर्थव्यवस्था के मूल्य में वृद्धि करेगा।

इन विधेयकों के प्रमुख सकारात्मक पहलू क्या हैं ?

यह मुफ्त इंद्रा और अंतर-राज्य व्यापार की अनुमति देता है ताकि किसानों को उनके द्वारा प्राप्त सर्वोत्तम मूल्य के आधार पर देश में कहीं भी बाजार में मुफ्त पहुंच प्राप्त हो सके। यह एफडीआई प्रवाह और अर्थव्यवस्था में सुधार में मदद करेगा।

किसान और खरीदार के बीच सीधा समझौता, किसान कार्टेल कीमतों पर निर्भर नहीं होगा। यह उन्हें पहले से बेहतर मूल्य निर्धारण, परिवहन लागत में कमी, बिचौलियों द्वारा शोषण को रोकने और राजनीतिक नेताओं द्वारा बाजार पर कोई अप्रत्यक्ष नियंत्रण नहीं होने का आश्वासन देगा।

खाद्य पदार्थों की नियमित आपूर्ति बिचौलियों द्वारा बनाई गई कृत्रिम कमी को रोक देगी।

कुछ बकाया होने पर भी क्रेता, उद्योगपति भूमि का नियंत्रण नहीं ले सकते। किसानों को शोषण से पूरी तरह सुरक्षित रखा गया है और उन्हें बेचने और अच्छा मुनाफा कमाने, अनुबंध करने, ई-नाम प्लेटफॉर्म का उपयोग करने और अधिक लाभ के लिए प्रौद्योगिकी का सर्वोत्तम उपयोग करने की पूरी स्वतंत्रता दी गई है।

मुझे किसानों के खिलाफ बिल में कोई बात नहीं दिखती, इसलिए इन सुधारों का विरोध करने वाले लोगों या राजनीतिक नेताओं का कुछ निहित स्वार्थ होना चाहिए। यह हमारा कर्तव्य है कि हम प्रत्येक किसान तक तथ्यों को फैलाएं ताकि शोषण करने वाले स्वार्थी उनकी अज्ञानता का लाभ न उठाएं।

श्री एम. एस. स्वामीनाथन ने किसानों के कल्याण के लिए कई पहलों का सुझाव दिया है और विभिन्न मुद्दों पर समय-समय पर सरकार को मार्गदर्शन/सिफारिशें दी हैं। उनके कई सुझावों को पिछले सात सालों में पीएम मोदी सरकार ने लागू किया है. मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कुछ कदम :

- किसान रेल
- कई वस्तुओं के लिए एमएसपी
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड
- किसान क्रेडिट कार्ड
- प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना। (लाखों किसान लाभान्वित)
- सिंचाई सुविधाएं।
- ६००० रुपये का वार्षिक प्रत्यक्ष हस्तांतरण।
- प्रौद्योगिकी और तकनीक उन्मुख खेती।
- जैविक खेती।
- ई-नाम मंच प्रदान करना।

- अतिरिक्त भंडारण सुविधाएं प्रदान करना ।
- सरकार द्वारा खाद्यान्न की बड़े पैमाने पर खरीद ।
- बकाया राशि का समय पर भुगतान
- गन्ना किसानों की लंबे समय से लंबित समस्या का समाधान ।
- उर्वरक की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता ।

अगला निशाना यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ हैं, राज्य के चुनाव नजदीक हैं और एक महान सुधारक सीएम योगी जो सिर्फ एक सनातनी नेता के रूप में देखे जाते हैं, वह बदमाशों, लुटेरों, शोषकों के खिलाफ मजबूती से काम कर रहे हैं। भारत का सबसे बड़ा राज्य योगी सरकार के सामने हर दृष्टि से सबसे खराब स्थिति में था, पिछले 4 वर्षों में राज्य का सही विकास और शुरू की गई दीर्घकालिक कार्रवाई अगले 5 वर्षों में सीएम योगी के काम की वजह से राज्य को नंबर एक बना देगी।

वंशवादी राजनीति चाहती है कि लोग पिछड़े, निरक्षर बने रहें ताकि उनका शोषण किया जा सके, स्वार्थ और सत्ता के लिए गुमराह किया जा सके।

भोले-भाले भारतीय अब गतिशील, होशियार हो रहे हैं, सभी के लाभ के लिए सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौट रहे हैं और सामाजिक, आर्थिक और आध्यात्मिक विकास के लिए काम कर रहे हैं और इसलिए खतरा, दरार, हिंसा पैदा करने के इरादे से कोई भी काम नहीं कर पा रहा है जिससे राजनीतिक रोटीया सेकी जाये।

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

7875212161